“कृषि-वानिकी द्वारा उत्पादन एवं आय में वृद्धि पर जागरूकता कार्यक्रम”

हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत “कृषि-वानिकी द्वारा उत्पादन एवं आय में वृद्धि पर जागरूकता कार्यक्रम” विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 18 दिसम्बर, 2022 को कोटी, जिला- शिमला (हि॰ प्र॰) में किया गया । इस अवसर पर डॉ॰ संदीप शर्मा, प्रभारी निदेशक, हि॰व॰अ॰स॰, शिमला, द्वारा ग्रामीणों को संस्थान गतिविधियों के साथ- साथ कृषि-वानिकी द्वारा उत्पादन एवं आय में वृद्धि, इसके लाभ तथा जीविकापार्जन में इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी वनस्पति उगानी चाहिये ताकि सर्दियों में भी पशुओं को हरा चारा मिल सके जिससे दूध की गुंणवत्ता प्रभावित न हो । उन्होंने कृषि-वानिकी तथा 5-जी वानिकी की महत्वता के बारे में भी बताया । उन्होंने कहा कि बदलते मौसम के चलते हमें एक से अधिक कृषि फसलों को उगाना चाहिए । उन्होंने कार्बन न्यूट्रल के बारे में बताते हुए कहा कि हमें कार्बन उत्सर्जन को कम करने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने अर्मेनिया का उदाहरण भी दिया कि वहाँ चूली का बहुत अधिक प्रयोग किया जाता है इसलिए वहाँ कैंसर की समस्या बहुत कम है । उन्होंने चूली के बीज जमा करके प्रयोग करने की सलाह दी इसके साथ ही जैविक खेती करने की सलाह दी और आर्गेनिक खाद तैयार करने की बिधि भी बताई और आशा जताई कि कार्यक्रम से जुड़े सभी लोग इसे जीवन शैली में अपनाकर लाभान्वित होंगे ।

श्रीमति विजया ज्योति सेन, रानी जुंगा एवं सामाजिक कार्यकर्ता ने नैतिक मूल्यों के बारे में चर्चा की और बताया कि पहले के समय में लोग किस प्रकार एक दूसरे की सहायता करते थे । आज इन्सानों में पैसे के प्रति लालच बड़ गया है किन्तु संतोष नहीं है उन्होंने आने वाली पीड़ी को अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्य देने की महत्ता पर प्रकाश डाला । उन्होंने चूली के पेड़ के लाभ भी बताए और उन्होंने आग्रह किया कि लोग अपने और परिवारजनों के जन्मदिन के अवसर पर केक आदि के खर्चे के बदले अपने आसपास पाँच पेड़ लगाए उसमे से एक चूली का पेड़ अवश्य लगाएँ ।

श्री रमेश चन्द, प्रधान ग्राम पंचायत कोटी ने हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला से भविष्य में कोटी पंचायत का कोई गांव गोद लेने का आग्रह किया और कहा कि जैसे संस्थान ने पहले कुछ गांव गोद ले कर आदर्श गांव विकसित किये हैं वैसे ही कोटी पंचायत भी संस्थान से ऐसे सहयोग की अपेक्षा करती है ।

डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने अपने व्याख्यान में बताया कि कृषि वानिकी काफी पहले से प्रचलित है परंतु वैज्ञानिक तरीके से कृषि वानिकी करना अति आवशयक है। किसान कृषि वानिकी अपनाकर एक से अधिक फसलों को एक भूखंड पर उगा कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विकसित देशों के अपेक्षा हमारे देश में प्रति व्यक्ति बहुत कम वन है, इस कमी को कृषि वानिकी से पूरा किया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि वृक्ष प्रजातियों के मध्य औषधियों पौधों जैसे कि चूली वन-ककड़ी, निहानी इत्यादि को उगाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

डॉ॰ जोगिंदर सिंह ने कहा कि नयी पीढ़ी को पहले प्रयोग होने वाले अनाजों के विषय में जागरूक करने कि आवश्यकता है । भारत में मिलेट्स जैसे बाजरा, ज्वार, ज्वार, रागी, कोदो, कुटकी आदि प्रमुख अनाज थे। लेकिन समय के साथ इनका महत्व खो गया और भारतीयों ने पश्चिमी देशों से प्रभावित होकर मिलेट्स को मोटे अनाजों और खासतौर पर ग्रामीण खाने के रूप में देखना शुरू कर दिया। जिस कारण इनकी खेती में भी कमी आई और साथ ही, किसानों की फसल के लिए बाजार भी घटे। मोटे अनाज़ को 'सुपरफूड' और ' स्मार्टफूड' का दर्जा दिया गया है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए मोटे अनाज प्रासंगिक हो चले हैं, क्योंकि मोटे अनाजों की खेती करने के लिए बहुत अधिक पानी की जरूरत नहीं होती है। कम पानी, उर्वरक और कीटनाशकों के साथ कम उपजाऊ मिट्टी में भी मिलेट्स को उगाया जा सकता है। उच्च तापमान में भी ये अच्छा उगते हैं इसी कारण इन्हें ' क्लाइमेट-स्मार्ट' अनाज कहा जाता है।

इस अवसर पर रानी जुंगा श्रीमति विजया ज्योति सेन, सामाजिक कार्यकर्ता, श्री रूपिंदर शर्मा, वन परिक्षेत्र अधिकारी, कोटी, श्री रमेश चन्द, प्रधान ग्राम पंचायत कोटी, श्री राजा राम उप-प्रधान ग्राम पंचायत कोटी, श्री अरविंद शर्मा, बीडीसी सदस्य, वलदेव पुरी, पूर्व- प्रधान ग्राम पंचायत कोटी, सहित कोटी क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 42 ग्रामीणों एवं वन विभाग के कर्मचारियों ने जागरूकता शिविर में भाग लिया। श्री रमेश चंद प्रधान, कोटी पंचायत ने संस्थान के निदेशक, संसाधन व्यक्तियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके गांव में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया और आग्रह किया कि कुछ प्रगतिशील किसानों को उन क्षेत्रों में एक्सपोजर दौरे के लिए ले जाया जा सकता है जहां सफल कृषि वानिकी मॉडल हैं। संस्थान के विस्तार विभाग के श्री राकेश शर्मा, वन परिक्षेत्र अधिकारी, श्री कुलवन्त राय गुलशन, वरिष्ठ तकनीशियन और श्री स्वराज सिंह, तकनीशियन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन डॉ. जोगिन्दर सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यक्रम की झलकियां

मीडिया कवरेज़

कोटी में किसानों को आमदनी बढ़ाने की ट्रेनिंग

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के कार्यक्रम में कोटी के 42 किसानों ने सीखी बारीकियां

स्टाफ रिपोर्टर-शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा जिला के कोटी में किसानों को उत्पादन एवं आय में वृद्धि पर प्रशिक्षण दिया गया। कृषि-वानिकी द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में कोटी क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 42 किसानों और वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी निदेशक डाक्टर संदीप शर्मा द्वारा ग्रामीणों को संस्थान की गतिविधियों के साथ-साथ कृषि-वानिकी द्वारा उत्पादन एवं आय में वृद्धि, इसके लाभ तथा जीविकोपार्जन में महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कृषि-वानिकी तथा ई-जी वानिकी में की महत्वता के बारे में बताते हुए कहा कि कुछ ऐसी वनस्पति उगानी चाहिए, ताकि सर्दियों में भी पशुओं को हरा चारा मिल सके, ताकि उनकी दूध की गुणवत्ता प्रभावित न हो। बदलते मौसम के चलते हमें एक से अधिक कृषि फलों को उगाना चाहिए। उन्होंने कार्बन न्यूट्रल के बारे में बताते हुए कहा कि हमें कार्बन उत्सर्जन को कम करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने अमैलिया का उदाहरण भी दिया कि वहां चुली बहुत अधिक प्रयोग करते हैं, इसलिए वहां कैंसर की समस्या बहुत कम है। उन्होंने चुली के बीज जमा करके प्रयोग करने की सलाह दी। सामाजिक कार्यकर्ता विजया ज्योति सेन ने नैतिक मूल्यों के बारे में चर्चा की कि किस प्रकार लोग एक दूसरे की सहायता करते थे। आज इनसानों में पैसे के प्रति लालच बढ़ गया है, किंतु संतोष नहीं है। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्य देने के लिए लोगों को कहा। उन्होंने चुली के पेड़ के लाभ भी बताए। कोटी पंचायत के प्रधान रमेश चंद ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान से भविष्य में कोटी पंचायत का कोई गांव गोद लेने का आग्रह किया और कहा कि जैसे संस्थान ने पहले कुछ गांव गोद लेकर आदर्श गांव विकसित किए है, वैसे ही कोटी पंचायत को भी लाभ मिलेगा। इस अवसर पर रूपिंद्र शर्मा, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोटी, राजा राम उपप्रधान ग्राम पंचायत कोटी, अरविंद शर्मा बीडीसी सदस्य, बलदेव पुरी पूर्व प्रधान ग्राम पंचायत कोटी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रविवार को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के एक दिवसीय प्रशिक्षण -जागरूकता कार्यक्रम का दौर कुछ

दिव्य हिमाचल

कोटी में किसानों को कृषि वानिकी पर किया जागरूक

जागरण संवाददाता, शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से जुन्गा के समीप कोटी में कृषि वानिकी के माध्यम से उत्पादन एवं आय वृद्धि पर शिविर का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के 50 किसानों व वन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के प्रभारी निदेशक डा. संदीप शर्मा ने बताया कि किसानों को एक से अधिक कृषि फलों को उगाना चाहिए।

उन्होंने किसानों को आर्गेनिक खेती करने की भी सलाह दी। वैज्ञानिक विस्तार प्रभाग डा. जगदीश सिंह ने किसानों को कृषि वानिकी बारे विस्तार से जानकारी दी। पंचायत प्रधान रमेश शर्मा ने संस्थान से आए वैज्ञानिकों का स्वागत किया तथा कोटी पंचायत को गोद लेने का आग्रह किया।

कोटी में किसानों को दी कृषि वानिकी बारे जानकारी

शिमला/देवभूमि मिरर।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सौजन्य से जुन्गा के समीप कोटी में कृषि वानिकी के माध्यम द्वारा उत्पादन एवं आय वृद्वि पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें क्षेत्र के करीब 50 प्रगतिशील किसानों व वन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया । हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ0 संदीप शर्मान ने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों तथा कृषि वानिकी द्वारा उत्पादन, आय में वृद्वि तथा इसके लाभ व जीविकापार्जन बारे प्रकाश डाला । उन्होने बताया कि किसानों को ऐसी वनस्पति को उत्पादन करना चाहिए ताकि सर्दियों में पशुओं को हरा चारा मिलने से दुध की गुणवता बनी रहे । बताया कि किसानों को एक से अधिक कृषि फलों को उगाना चाहिए जो बदलते मौसम में सामंजस्य बिठा सके । बताया कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने का प्रयास करने चाहिए । उन्होने बताया कि अर्मेनिया में चुली का बहुत अधिक प्रयोग किया जाता है जिसके चलते अर्मेनिया में कैंसर की समस्या बहुत कम है । उन्होने किसानों को अर्गेनिक खेती करने की भी सलाह दी। इस मौके पर डॉ0 जगदीश सिंह वैज्ञानिक विस्तार प्रभाग ने किसानों को कृषि वानिकी बारे विस्तार से जानकारी दी।

जुन्गा के कोटी में किसानों को दी कृषि वानिकी की जानकारी

जुन्गा (शिमला)। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सौजन्य से जुन्गा के कोटी में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विषय कृषि वानिकी के माध्यम से उत्पादन और आय में वृद्धि करना रहा। इसमें क्षेत्र के करीब 50 प्रगतिशील किसानों और वन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों और कृषि वानिकी द्वारा उत्पादन, आय में वृद्धि तथा इसके लाभ और जीविकापार्जन बारे जानकारी दी गई। बताया कि किसानों को ऐसी वनस्पति का उत्पादन करना चाहिए ताकि सर्दियों में पशुओं को हरा चारा मिलने से दुध की गुणवत्ता बनी रहे।

किसानों को एक से अधिक कृषि फलों को उगाना चाहिए जो बदलते मौसम में सामंजस्य बिठा सके। अर्मेनिया में चुली का बहुत अधिक प्रयोग किया जाता है जिसके चलते अर्मेनिया में कैंसर रोग के मामले काफी कम है। उन्होंने किसानों को आर्गेनिक खेती करने की भी सलाह दी।

डॉ. जगदीश सिंह ने किसानों को कृषि वानिकी बारे जानकारी दी। पंचायत प्रधान रमेश शर्मा ने संस्थान से आए वैज्ञानिकों का स्वागत किया और कोटी पंचायत को गोद लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर विजय ज्योति सेन, वन रेंज अधिकारी कोटी रूपेंद्र शर्मा, पंचायत उपप्रधान राजाराम, बीडीसी सदस्य अरविंद शर्मा और पूर्व प्रधान बलदेव पुरी सहित क्षेत्र के किसानों ने भाग लिया। संवाद

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने जुन्गा के कोटी में किसानों को दी कृषि वानिकी की जानकारी

सवेरा ब्यूरो

शिमला, 20 दिसंबर: हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सौजन्य से जुन्गा के समीप कोटी में कृषि वानिकी के माध्यम द्वारा उत्पादन एवं आय वृद्धि पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के करीब 50 प्रगतिशील किसानों व वन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ संदीप शर्मान ने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों तथा कृषि वानिकी द्वारा उत्पादन, आय में वृद्धि तथा इसके लाभ व जीविकापार्जन बारे प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किसानों को ऐसी वनस्पति को उत्पादन करना चाहिए ताकि सर्दियों में पशुओं को हरा चारा मिलने से दुध की गुणवत्ता बनी रहे। बताया कि किसानों को एक से अधिक कृषि फलों को उगाना चाहिए जो बदलते मौसम में सामंजस्य बिठा सके। बताया कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने का प्रयास करने चाहिए। उन्होंने बताया कि अर्मेनिया में चुली का बहुत अधिक प्रयोग किया जाता है जिसके चलते अर्मेनिया में कैंसर की समस्या बहुत कम है। उन्होंने किसानों को अर्गेनिक खेती करने की भी सलाह दी।

इस मौके पर डा. जगदीश सिंह वैज्ञानिक विस्तार प्रभाग ने किसानों को कृषि वानिकी बारे विस्तार से जानकारी दी। स्थानीय पंचायत प्रधान रमेश शर्मा ने संस्थान से आए वैज्ञानिकों का स्वागत किया तथा कोटी पंचायत को गोद लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर विजय ज्योति सेन, वन रैंज अधिकारी कोटी रूपेन्द्र शर्मा, पंचायत उप प्रधान राजाराम, बीडीसी सदस्य अरविंद शर्मा, पूर्व प्रधान बलदेव पुरी सहित क्षेत्र के किसानों ने भाग लिया।

कोटी में आयोजित शिविर।

****